भोपाल संभाग के विदिशा ज़िले के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय पुस्तकालयों की स्थिति का अध्ययन

राना खांन[1], डॉ. राकेश खरे[2]
[1]शोधार्थी, पुस्तकालय विभाग,रबिन्द्रनाथ टेगोर विश्वविद्यालय,भोपाल (म.प्र.) भारत
[2]पुस्तकालय अध्यक्ष, केन्द्रीय पुस्तकालय, रबिन्द्रनाथ टेगोर विश्वविद्यालय,भोपाल (म.प्र.) भारत

सारांश
यह पत्र म.प्र. के भोपाल संभाग के विदिशा ज़िले के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालयों के पुस्तकालयों कि वास्तविक स्थिति को बताता है। स्कूल के बच्चों के लिए पुस्तकालय एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा बच्चों के शैक्षणिक स्तर में वृद्धि की जा सकती है।

मुख्य बिन्दुः– विद्यालय, पुस्तकालय, भोपाल

I प्रस्तावना

विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत का विकास करना और उसकी विचार शक्ति को प्रबल बनाना परम आवश्यक है और इस कार्य को केवल विद्यालयी शिक्षा के द्वारा ही पूर्ण किया जा सकता है। इसलिए प्रत्येक विद्यालय में एक उन्नत और व्यवस्थित पुस्तकालय का होना नितांत आवश्यक है,जिससे इस कार्य को पूर्ण किया जा सके। पूर्व में विद्यालय पुस्तकालयों में मात्र उन पुस्तकों का समावेश किया जाता था जो छात्रों के पाठ्यक्रम से संबंधित होती थी या उन्हें पढ़ायी जाती थी। परन्तु सन् 1952.1953 में माध्यमिक शिक्षा आयोग ने माध्यमिक शिक्षा पर एक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। जिसमें सुझाव दिया गया है कि एक विद्यालय पुस्तकालय में पाठ्य क्रम से संबंधित पुस्तकों के अतिरिक्त कुछ मनोरंजनात्मक व अन्य ज्ञानवर्धक साहित्य को भी समावेशित करना चाहिए जिससे विद्यालयों के छात्र अपनी रूचियों को विकसित करने के साथ–साथ ज्ञान की भी वृद्धि कर सकें साथ ही पुस्तकालय कर्मचारियों को ऐसा होना चाहिए जो छात्रों में पढ़ने की रूचि का विकास करने में पूर्णरूप से सहायक हों।

विद्यालय पुस्तकालय निशिचत रूप से एक ऐसा केन्द्र है,जो विद्यालय के छात्रों में स्वाध्याय की प्रवृत्ति का विकास कर उनमें भविष्य के प्रति निर्णय लेने की क्षमता को विकसित कर सकता है। विद्यालय के पुस्तकालय के अंतर्गत विज्ञान,सामाजिक अध्ययन,गणित तथा भाषा एंव साहित्य आदि सभी विषयों के प्रथक विभाग हो सकते हैं। इन पुस्तकालयों में अध्ययन कक्ष,गोष्ठी तथा सम्मेलन कक्ष विशिष्ट प्रकार की सामग्री – चलचित्र,टेप रिकार्ड,कम्प्यूटर आदि के लिए भी अलग–अलग कक्ष हो सकते हैं।

II उद्देश्य

(क) पाठ्यक्रम से संबंधित अध्ययन सामग्री के उपयोग हेतु रूचि जागृत करने के साथ–साथ उनमें सामान्य ज्ञान एंव अन्य सूचनात्मक साहित्य के अध्ययन के प्रति भी रूचि जागृत करना,

(ख) छात्रों एंव शिक्षकों में ज्ञान एंव सूचना को प्राप्त करने हेतु रूचि का विकास करना,जिससे वे विभिन्न संदर्भ स्त्रोंतों एंव सूचना सामग्री में से किसी भी संबंधित विषय पर स्वयं सूचना ढूंढ़ सकें और उसका उपयोग कर सकें,

(ग) विभिन्न प्रकार के अन्य पुस्तकालयों का भी अवलोकन कराना,जिससे वे उनके संबंध में भी ज्ञान प्राप्त कर सकें और आवश्यकता होने पर अपने अध्ययन हेतु उनका उपयोग करने में सक्षम बन सकें।

III साहित्य समीक्षा

(क) डॉ. एस. आर. रंगनाथन के अनुसार पुस्तकालय एक ऐसी संस्था या प्रतिष्ठान है जिसका दायित्व तथा कर्तव्य संग्रह की देखरेख करना तथा इसे उन व्यक्तियों को उपलब्ध कराना है जिन्हें इसकी आवश्यकता है।

(ख) पियर्स बटलर ने पुस्तकालय को एक सामाजिक संस्था माना है। उनके विचार में यह सामाजिक संरचना की अनिवार्य इकाई है जिसके द्वारा ग्रंथों,चित्रों तथा ध्वनिजनित सामग्रियों के माध्यम से समाज के संचित अनुभवों को समाज के जिज्ञासु सदस्यों तक सम्प्रेषित किया जाता है।

IV शोध प्रविधि

हम म.प्र. के भोपाल संभाग के विदिशा ज़िले के शासकीय उत्कृष्ट स्कूलों के पुस्तकालयों कि वास्तविक स्थिति के अध्ययन के बारे में बात कर रहे हैं। इसमें हमने सर्वेक्षण विधि का चयन किया है क्यों कि शासकीय उत्कृष्ट स्कूलों के पुस्तकालयों कि वास्तविक स्थिति को समझने के लिये यह विधि ही सर्वोत्तम होगी। वर्तमान में शासकीय उत्कृष्ट स्कूलों के पुस्तकालयों के द्वारा कौन कौन सी सेवाएं उपयोगकर्ता को दी जा रही है तथा पुस्तकालयों में कितनी पुस्तकें उपलब्ध हैं आदि की जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रश्नावली द्वारा हमने डाटा को एकत्रित किया है। प्रश्नावली के द्वारा पूछे जाने वाले प्रशन निम्न हैं–

- शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय पुस्तकालयों में कितनी पुस्तकें है?
- विद्यालय पुस्तकालयों में नियमित लाइब्रेरियन है या नही?
- पुस्तकालय में कितने समाचार पत्र आते है?
- पुस्तकालय में आय के साधन क्या हैं?
- पुस्तकालय में कितने कम्प्यूटर है?
- कितने विद्यार्थी प्रतिदिन पुस्तकालय में आकर पढ़ते है?
- पुस्तकालय में पाठ्यक्रम के अतिक्ति कितनी पुस्तकें हैं?

- पुस्तकालय में कितने कर्मचारी कार्यरत हैं?
- पुस्तकालय में क्या ई–लाइब्रेरी है यदि हां तो कितने सिस्टम है?
- पुस्तकलय में प्रतियोगिता परिक्षा से संबंधित कितनी पुस्तक और पत्रिका आती हैं?
- पुस्तकालय में शासन द्वारा वर्ष में कितना अनुदान मिलता है?

V परिणाम एंव विशलेषण

क्र.	पुस्तकालय से जुड़े प्रश्न	शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सिरोंज	शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय कुरवाई	शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लटेरी	शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नटेरन	शासकीय मोडल विद्यालय सिरोंज
1	पुस्तकालयों में पुस्तकों की संख्या	238	205	150	90	40
2	लाइब्रेरियन है या नही	हॉ	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
3	पुस्तकालय द्वारा दी जाने वाली सेवाएं जैसे– प्रसार सेवा,आदान प्रदान,रीडिंग सेवा	हॉ	हां	नही	नही	नही
4	पुस्तकालय में कम्प्यूटर की उपलब्धता	हॉ	नही	नही	नही	नही
5	समाचार पत्र आते है या नहीं	5	2	1	3	2
6	पुस्तकालय में आय के साधन क्या हैं?	छात्रों द्वारा ली गई फीस के द्वारा	छात्रों द्वारा ली गई फीस के द्वारा	छात्रों द्वारा ली गई फीस के द्वारा	छात्रों द्वारा ली गई फीस के द्वारा	छात्रों द्वारा ली गई फीस के द्वारा
7	पुस्तकालय में कितने कम्प्यूटर है?	2	0	0	0	0
8	पुस्तकालय में क्या ई–लाइब्रेरी है यदि हां तो कितने सिस्टम है?	नही	नही	नही	नही	नही
9	पुस्तकालय में पाठ्यक्रम के अतिरिक्त कितनी पुस्तकें हैं?	130	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
10	पुस्तकालय में कितने कर्मचारी कार्यरत हैं?	2	1	1	1	1
11	पुस्तकलय में प्रतियोगिता परिक्षा से संबंधित कितनी पुस्तक और पत्रिका आती हैं?	3	2	2	0	0
12	पुस्तकालय में शासन के द्वारा वर्ष में कितना अनुदान प्राप्त होता है?	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं

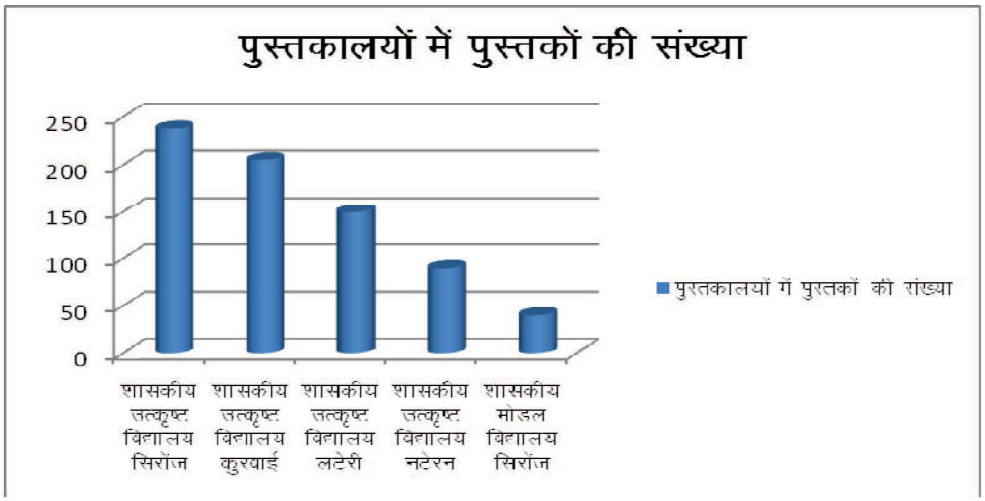

चार्ट.1.

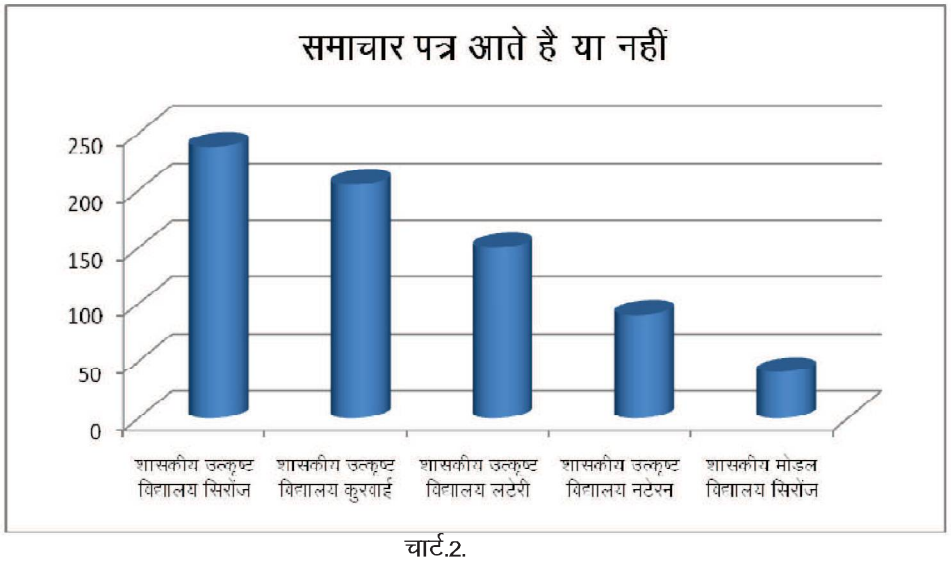

चार्ट.2.

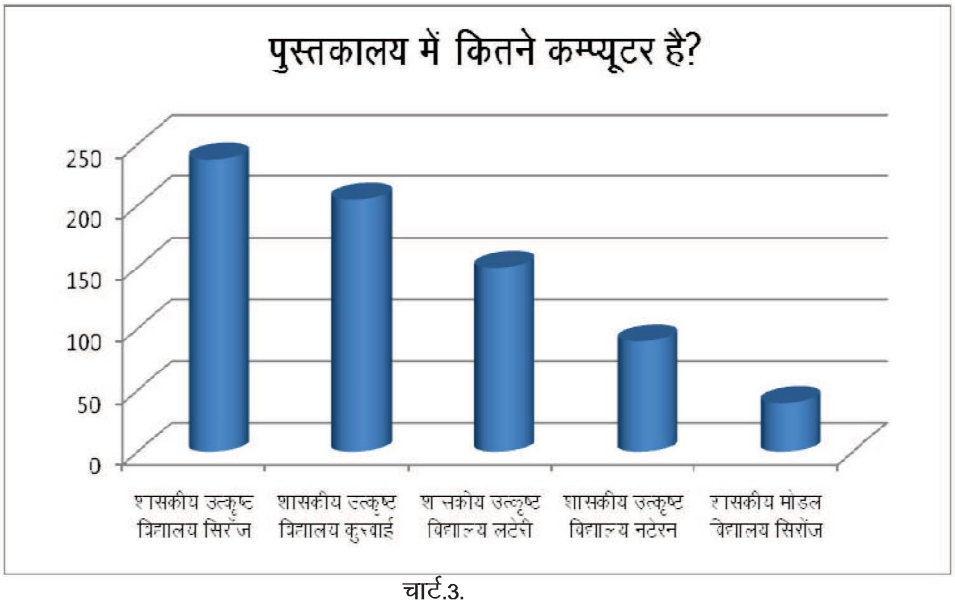

चार्ट.3.

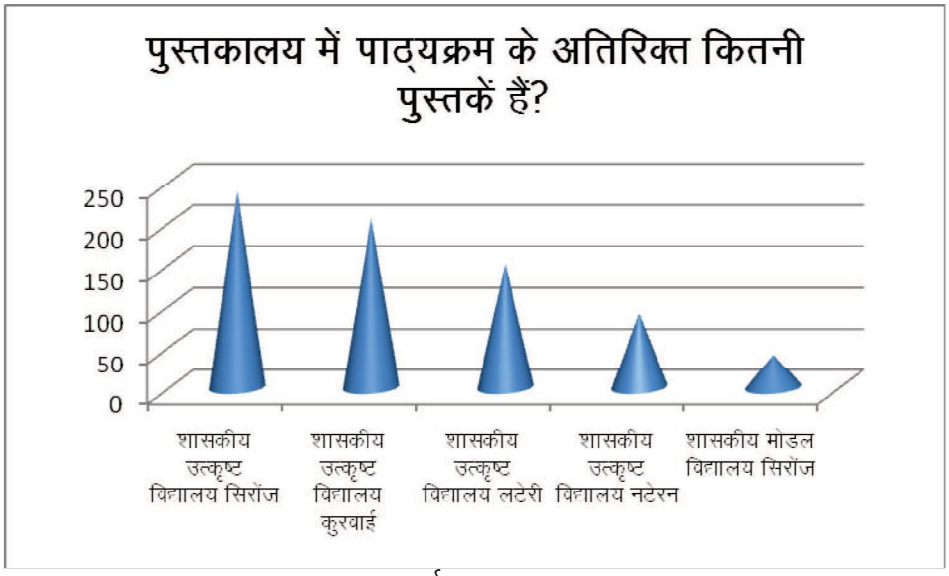

चार्ट.4.

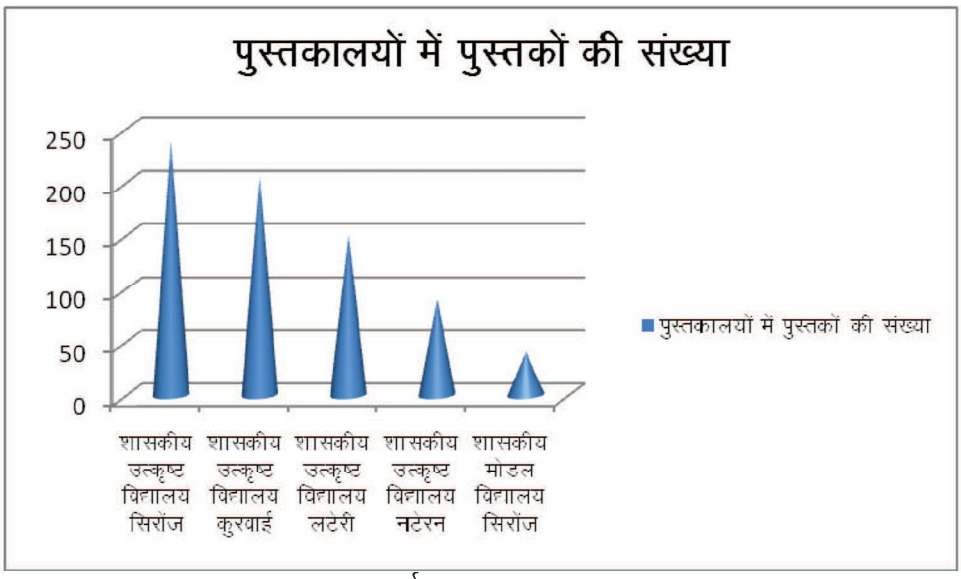

चार्ट.5.

VI शोध विश्लेषण

उक्त शोध में हमनें विभिन्न प्रशनों के माध्यम से पाया कि शासकीय उत्कृष्ट विद्यालयों में, सिरोंज के पुस्तकालय में 238 पुस्तकें हैं। पुस्तकालय से जुड़ी कुछ सुविधा विद्यार्थियों तक पहुँच पा रही है क्योंकि पुस्तकालय में संग्रह व्यवस्था पाठ्य सामग्री में कमी है। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सिरोंज में लाइब्रेरियन है। पुस्तकालय में लाइब्रेरियन जो छात्रों को उपयोगी सूचना सेवा उपलब्ध कराते है और मार्गदर्शित करते हैं। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सिरोंज पुस्तकालय में कम्प्यूटर उपलब्ध है।शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सिरोंज के पुस्तकालय में कम्प्यूटरों की संख्या 2 हैं पाठ्यक्रम के अतिरिक्त पुस्तके केवल एक विद्यालय में ही उपलब्ध हैं बाकि में कोई पुस्तकें नहीं है। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सिरोंज के पुस्तकालय में 2 कर्मचारि कार्यरत है जबकि अन्य विद्यालय के पुस्तकालयों में एक–एक कर्मचारि ही कार्यरत है। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सिरोंज में पुस्तकालय में प्रतियोगिता परिक्षा संबंधित 3 पुस्तक और पत्रिका उपलब्ध है और शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय कुरवाई,शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लटेरी में इनकी संख्या 2–2 है।

VII निष्कर्ष

उक्त शोध के द्वारा यह निष्कर्ष निकलता है कि शासकीय उत्कृष्ट विद्यालयों के पुस्तकालय है। कुछ विद्यालय के पुस्तकालय मे पुस्तको का संग्रह है और कुछ विद्यालय के पुस्तकालय मे कम है। वर्तमान में स्कुल शिक्षा के विद्यालय पुस्तकालय मे पुस्तकों की संख्या के लिए कोई माप दंड नहीं है। पुस्तकालयों की इस स्थिति को देखते हुए अभी शासकीय उत्कृष्ट विद्यालयों के पुस्तकालयों सुधार की बहुत आवश्यकता है और पुस्तकों की संख्या में भी वृद्धि की आवश्यकता है। बच्चों के शैक्षणिक स्तर में वृद्धि के लिए पुस्तकालयों का होना बहुत आवश्यक है। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालयों में लाइब्रेरियन भी केवल एक ही विद्यालय, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सिरोंज में ही है बाकि विद्यालयों में लाइब्रेरियन नही है। शासकीय विद्यालयों में कम्प्यूटरों की भी कमी है। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सिरोंज और शासकीय उत्कृक्ष्ट विद्यालय कुरवाई में ही पुस्तकालय सेवाएं दी जा रही है।

संदर्भ

[1] डॉ बी. के. शर्मा,डॉ यू. एम. ठाकुर के द्वारा प्रकाशित पुस्तक पुस्तकालय एंव सूचना विज्ञान एम. लिब. आई. एस. सी. ज्ञान दर्शिका (2006)

[2] संतोष कुमार के द्वारा प्रकाशित पुस्तकारलय एंव सूचना विज्ञान (2017)

[3] जी.के.गौतम,बी.के.शर्मा के द्वारा प्रकाशित पुस्तक पुस्तकालय एंव सूचना विज्ञान (2012)

[4] बी.के.शर्मा,यू.एम.ठाकुर के द्वारा प्रकाशित पुस्तक पुस्तकालय एंव सूचना विज्ञान (2016)

[5] सी.लाल एंव के.कुमार के द्वारा प्रकाशित पुस्तक पुस्तकालय एंव सूचना विज्ञान (2010)

[6] मुकेश बोरा,उदयभान के द्वारा प्रकाशित पुस्तक पुस्तकालय एंव सूचना विज्ञान (2014)

[7] एडमस,बी. और नोइल के द्वारा प्रकाशित पुस्तक पुस्तकालय की पुस्तक संग्रह और प्रसार सेवाओं का मूल्यांकन (2008)

[8] डी.ई.अगोस्टो के द्वारा प्रकाशित पुस्तक स्कूल पुस्तकालय एक बहुसांस्कृतिक भवन (2007)